विज्ञान और विज्ञान शिक्षा संगोष्ठी

भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली तथा अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलूरू द्वारा विज्ञान शिक्षा पर एक संगोष्ठी आयोजित की जा रही है- संगोष्ठी का विषय है- **विज्ञान और विज्ञान शिक्षा** और यह अक्टूबर, 2018 में मोहाली में होगी।

गोष्ठी का लक्ष्य भारतीय भाषाओं में आकादमिक विमर्श को बढ़ावा देना है। आप जानते भी होंगे कि पिछले कुछ दशकों में स्कूली शिक्षा कि सिद्धांत और व्यवहार पर व्यवस्थित अकादमिक चर्चा के लिए देश के कई विश्वविद्यालयों में एम.ए. (शिक्षा) के पाठ्यक्रम शुरू किये गए हैं। ये पाठ्यक्रम शिक्षक-शिक्षा के पाठ्यकर्मो से हैं और भारत के नागरिक समाज में शिक्षा पर चल रही वयापक चर्चा को व्यवस्थित अकादमिक रूप देने के उद्देश्य से शुरू किये गए हैं। टाटा सामाजिक अध्ययन संसथान, मुंबई; आंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली और जामिआ मिलिआ इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली समेत अनेक विश्वविद्यालयों में इस तरह के पाठ्यक्रम कई वर्षो से चल रहे हैं। अज़ीम प्रेमीजी विश्वविद्यालय ने भी इस दिशा में कदम बढ़ाये हैं और यहाँ भी एम.ए. (शिक्षा) का पाठ्यक्रम पिछले चार-पांच वर्षो से चल रहा हैं।

जहाँ हमारा यह विश्वास कि इस तरह के पाठ्यक्रम पाठ्यक्रमों के सचांलन से स्कूली शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर नागरिक समाज में सजगता आएगी, वहीं यह स्पष्ट हैं कि इन कार्यक्रमों कि गुणवत्ता बढ़ाने तथा इन्हें और अधिक समावेशी बनाने के लिए इनको भारतीय भाषाओं में भी आंरभ करने का लक्ष्य रखना जरुरी हैं।

इसके लिए यह आवश्यक लगता हैं कि भारतीय भाषाओं में विमर्श व ज्ञान-निर्माण हो व साथ ही अकादमिक साहित्य कि रचना भी हो। इस दिशा में एक छोटी पहलक़दमी हैं ऐसी संगोष्ठियों का आयोजन जिनमे प्रस्तुत किये जाने वाले पर्चे भारतीय भाषाओं में हो व उन पर विमर्श भी भारतीय भाषाओं में ही हो। अज़ीम प्रेमीजी विश्वविधालय ने अन्य सहभागियों के साथ मिलकर ऐसी संगोष्ठियों के आयोजन कि आंरभ की हैं।

पहेली संगोष्ठी हिंदी में मई, 2017 में अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के साथ मिलकर दिल्ली में आयोजित की गई थी। इस संगोष्ठी का विषय था स्कूली शिक्षा के बदलते परिदृश्य में अध्यापन - कर्म की रूपरेखा।

इसी विषय पर मार्च, 2018 में मैसूर विश्वविद्यालय के साथ मिलकर भाषा में दूसरी संगोष्ठी का आयोजन मैसूर में किया जा रहा हैं।

'विज्ञान और विज्ञान शिक्षा' विषय पर प्रस्तावित संगोष्ठी इस क्रम में तीसरी हैं। संगोष्ठी का आधार पत्र अज़ीम प्रेमीजी विश्वविद्यालय की वेबसाइट- azimpremjiuniversity.edu.in पर के अंतरगत हिंदी और पंजाबी में उपलब्ध हैं।

आपसे अनुरोध हैं कि 'विज्ञान और विज्ञान शिक्षा ' विषय पर आप अपने अनुभव, शोध, अध्ययन आदि हिंदी अथवा पंजाबी में एक पर्चे के रूप में लिखकर संगोष्ठी में भाग लें। आपके इस योगदान ए शिक्षा पर चल रहे व्यापक नागरिक को सुदृण बनाने में हमें मदद मिलेगी। पर्चा जमा काने कि तिथि तथा संगोष्ठी में शामिल होने आदि का विस्तृत विवरण आधार- पत्र में दिया गया हैं।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING